जापानी येन की तुलना में, दो संदर्भित तारीखों के बीच रूपए का अधिमूल्यन हुआ ।

(ख) और(ग) रूपए की विनिमय दर बाजार द्वारा निर्धारित होती है । रूपए का सांकेतिक रूप में यह अवमूल्यन हाल के वर्षों में रूपए वास्तविक अर्थों में 1993-94 से हुए अधिमूल्यन के संबंध में बाजार सुधार है । विनिमय दर में हाल के परिवर्तन ने भारत की प्रतियोगितात्मकता को बहाल किया है और यह निर्यात संवृद्धि को सुदृढ़ बनाए रखने और आयात में वृद्धि को नियंत्रित करने की सुनिश्चिता में सहयोग करेगा । ये दोनों कारक व्यापार घाटे को प्रबंध योग्य स्तरों पर नियंत्रित रखने में सहायता करेंगे ।

रूपए की विनिमय में दर अब्रूवहारिक कारणों से हाल की अवधि में अत्यधिक स्थिरता देखने में आई है । इसका भा.रि.बैंक द्वारा उचित उपायों के जरिए सक्रिय रूप से सामना किया गया । भारतीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ और लचीली बनी हुई है, जिसे घेरलु और विदेशी क्षेत्रों के कार्य-निष्पादनों द्वारा आंका जा सकता है ।

हस्तशिल्प की वस्तुओं का निर्यात

45. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला** :

चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में ऐसे कुल कितने पंजीकृत एकक हैं जो हस्तशिल्प की वस्तुओं का निर्यात करते हैं ,

(ख) हस्तशिल्प की वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की दृष्टि से सरकार द्वारा निर्यातकों को प्रदान की जा रही रियायतों और सुविधाओं का ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या सरकार हस्तशिल्प की वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए कोई और नई योजना प्रारंभ करने का विचार रखती है, और

(घ) यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी.वेंकट स्वामी): (क) देश में 9060 पंजीकृत हस्तशिल्प निर्यात एकक है । इनमें से 6500 एकक हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद में पंजीकृत है तथा 2560 कालीन निर्यात संवर्धन परिषद में पंजीकृत है ।

(ख) सरकार द्वारा निर्यातकों को हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही रियायतों तथा सुविधाओं में ये शामिल है: शुल्क वापिसी, ब्याज की रियायती दरों पर पूर्व तथा पोतलदान ऋण, 32 माइक्रोन तथा इसके ऊपर की कालीन ग्रेड वूल पर 10 प्रतिशत यथामूल्य की दर पर रियायती आयात शुल्क हस्त शिल्प निर्यातकों द्वारा कुल विदेशी मुद्रा उपार्जन पर निर्यात गृह/व्यापार गृह/स्टार व्यापार गृह तथा सुपर स्टार व्यापार गृह को मान्यता देने के प्रयोजन से ट्रिपल वेटेज तथा हस्तशिल्प निर्यात संवधर्न परिषद तथा कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के सदस्य निर्यातकों की समय-समय पर आयोजित विभिन्न संवर्धनात्मक काय्र-कलापों में भागीदारी ।

(ग) और (घ) निर्यात संवर्धन योजनाओं में विदेशों में ब्रिकी-सह-अध्ययन दल प्रायोजित करना, अंतराष्ट्रीय मेले तथा प्रर्दशनियों में भाग लेना, क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करना, समुद्रपार प्रचार तथा कैटलाग का प्रकाशन, सेमिनार तथा कार्यशालाओं का संचालन तथा हाल ही में संस्थापित वार्षिक आधार पर आयोजित अंतराष्ट्रीय हस्तशिल्प तथा उपहार मेले तथा अखिल भारतीय कालीन व्यापार मेले को सुदृढ़ करना शामिल है ।

इसके अतिरिक्त देश में हस्तशिल्प के विकास तथा सवंर्धन के लिए सरकार विभिन्न योजनांए जैसे प्रशिक्षण, प्रदर्शनी तथा प्रचार, विपणन विकास सहायता, डिजायन विकास, सर्वेक्षण तथा अध्ययन आदि काय्रन्वित करती है ।

Emergence of small scale private suppliers of power due to power shortage

46. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that peaking shortage of power supply in thee country is 20% at present;

(b) whether it is also a fact that this shortage has led to the emergence of a network of small scale private suppliers of power supplying power at an enhanced rate to the manufacturers and other industrial establishments;

(c) whether Government contemplate to come out with similar arrangements; and